



Vineet

10 Mar 1984

03:30 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121685801

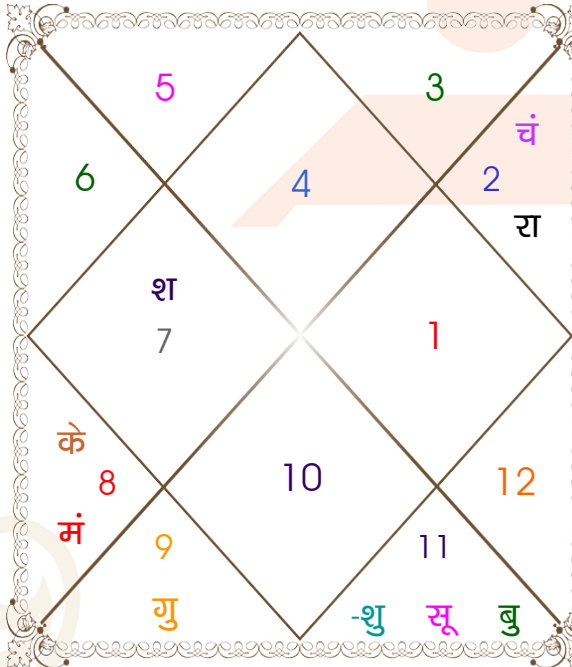
तिथि 10/03/1984 समय 15:30:00 वार शनिवार स्थान Delhi चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:55
अक्षांश 28:39:00 उत्तर रेखांश 77:13:00 पूर्व मध्य रेखांश 82:30:00 पूर्व स्थानिक संस्कार -00:21:08 घंटे

पंचांग	अवकहड़ा चक्र
साम्पातिक काल : 02:21:56 घं	गण _____: मनुष्य
वेलान्तर _____: 00:10:18 घं	योनि _____: सर्प
सूर्योदय _____: 06:36:48 घं	नाड़ी _____: अन्त्य
सूर्यास्त _____: 18:26:26 घं	वर्ण _____: वैश्य
चैत्रादि संवत _____: 2040	वश्य _____: चतुष्पाद
शक संवत _____: 1905	वर्ग _____: मृग
मास _____: फाल्गुन	रैजा _____: पूर्व
पक्ष _____: शुक्ल	हंसक _____: भूमि
तिथि _____: 8	जन्म नामाक्षर _____: वू-वुभेश
नक्षत्र _____: रोहिणी	पाया(रा.-न.) _____: स्वर्ण-स्वर्ण
योग _____: प्रीति	होरा _____: गुरु
करण _____: विष्टि	चौघड़िया _____: अमृत

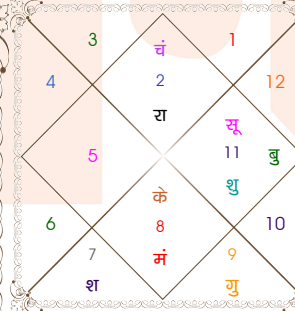
विंशोत्तरी	योगिनी
चन्द्र 0वर्ष 10मा 25दि शनि	सिद्धा 0वर्ष 7मा 17दि संकटा
03/02/2026	27/10/2020
03/02/2045	27/10/2028
शनि 06/02/2029	संकटा 07/08/2022
बुध 17/10/2031	मंगला 27/10/2022
केतु 25/11/2032	पिंगला 08/04/2023
शुक्र 26/01/2036	धान्या 07/12/2023
सूर्य 07/01/2037	भामरी 27/10/2024
चन्द्र 08/08/2038	भद्रिका 07/12/2025
मंगल 17/09/2039	उल्का 08/04/2027
राहु 24/07/2042	सिद्धा 27/10/2028
गुरु 03/02/2045	

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:00:24	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	केतु	---	0:00			
सूर्य			26:23:39	कुंभ	पूर्वाभाद्रपद	2	गुरु	केतु	शत्रु राशि	1.29	अमात्य	पितृ	क्षेम
चंद्र			22:07:47	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण	0.98	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			01:01:19	वृश्चि	विशाखा	4	गुरु	मंगल	स्वराशि	1.04	कलत्र	भातृ	क्षेम
बुध	अ		27:58:11	कुंभ	पूर्वाभाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	सम राशि	0.71	आत्मा	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			15:36:33	धनु	पूर्वाषाढा	1	शुक्र	सूर्य	स्वराशि	1.22	पुत्र	धन	मित्र
शुक्र			01:18:00	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	बुध	मित्र राशि	0.87	ज्ञाति	कलत्र	सम्पत
शनि	व		22:33:51	तुला	विशाखा	1	गुरु	शनि	उच्च राशि	1.67	भातृ	आयु	क्षेम
राहु			16:30:48	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	शनि	मित्र राशि	---	---	ज्ञान	जन्म
केतु			16:30:48	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	गुरु	मित्र राशि	---	---	मोक्ष	प्रत्यारि

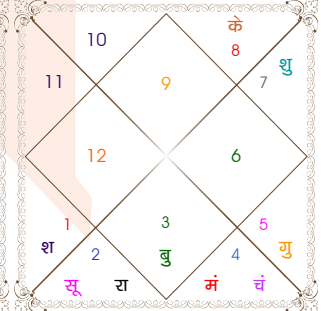
लग्न-चलित



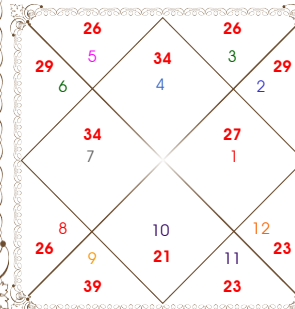
चन्द्र कुंडली



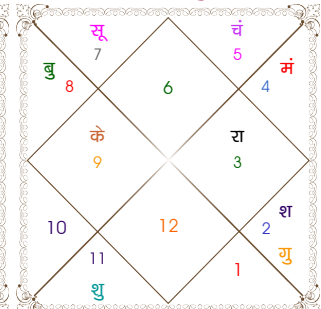
नवमांश कुंडली



सर्वाष्टकवर्ग



दशमांश कुंडली



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

*

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

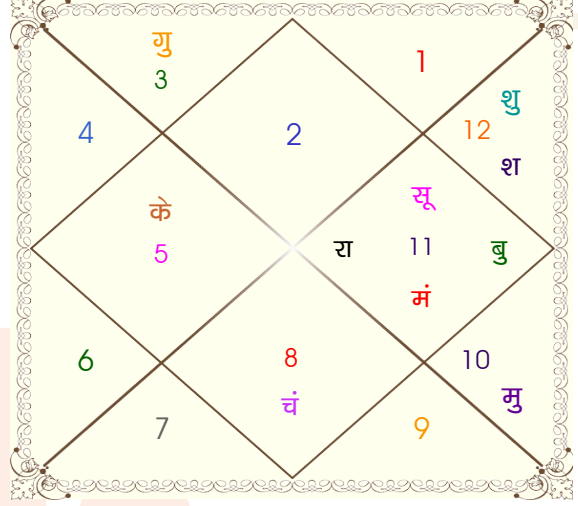
व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रथम मास

11/03/2026 10:19:17 से 10/04/2026 17:19:14 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	कृतिका	08:07:49
सूर्य	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:23:39
चन्द्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:12:31
मंगल	कुम्भ	शतभिषा	12:33:21
बुध	व कुम्भ	शतभिषा	18:57:18
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	20:51:45
शुक्र	मीन	उ०भाद्रपद	11:41:03
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	08:44:09
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	14:39:50
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	14:39:50
मुंथा	मकर	श्रवण	19:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

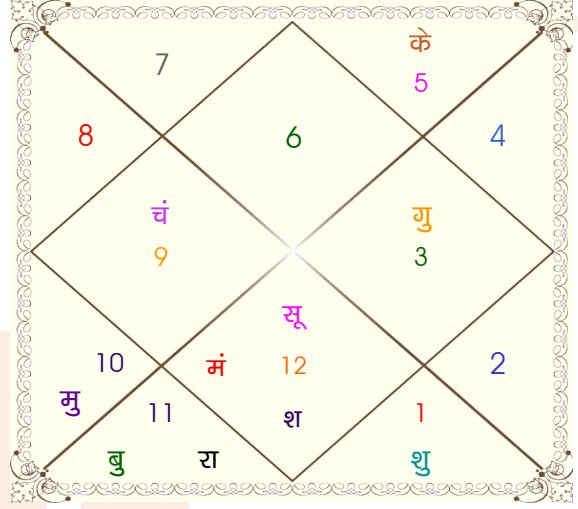
साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे। अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

10/04/2026 17:19:14 से 11/05/2026 12:44:36 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	उ०फाल्गुनी	08:38:23
सूर्य	मीन	रेवती	26:23:39
चन्द्र	धनु	उत्तराषाढा	29:37:26
मंगल	मीन	उ०भाद्रपद	06:18:02
बुध	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:34:58
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	22:18:00
शुक्र	मेष	भरणी	19:04:31
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	12:29:43
राहु	कुम्भ	शतभिषा	13:49:49
केतु	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:49:49
मुंथा	मकर	श्रवण	21:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी करेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

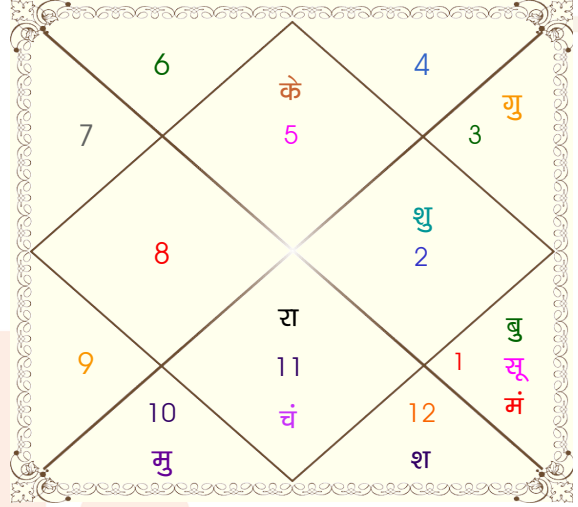
साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास

11/05/2026 12:44:36 से 11/06/2026 18:20:48 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	सिंह	मघा	05:06:49
सूर्य	मेष	भरणी	26:23:39
चन्द्र	कुम्भ	शतभिषा	13:03:22
मंगल	मेष	अश्विनी	00:00:12
बुध	मेष	भरणी	22:27:01
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	26:13:30
शुक्र	वृष	मृगशिरा	26:29:24
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	16:02:37
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	11:37:25
केतु	व सिंह	मघा	11:37:25
मुंथा	मकर	धनिष्ठा	24:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

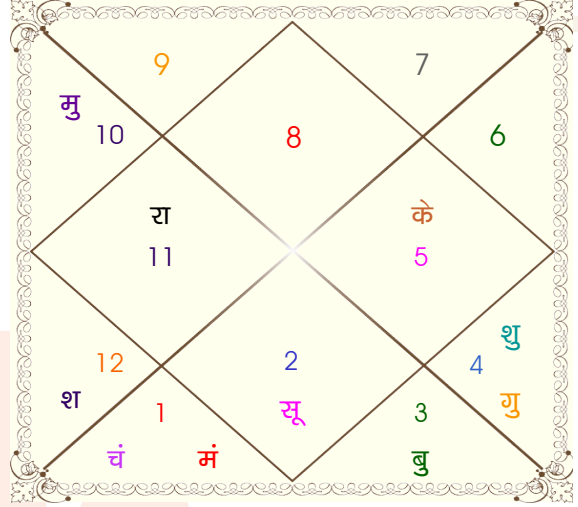
साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

11/06/2026 18:20:48 से 13/07/2026 04:57:31 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	अनुराधा	14:40:02
सूर्य	वृष	मृगशिरा	26:23:39
चन्द्र	मेष	अश्विनी	06:00:04
मंगल	मेष	भरणी	23:17:20
बुध	मिथुन	पुनर्वसु	20:20:52
गुरु	कर्क	पुनर्वसु	01:53:20
शुक्र	कर्क	पुष्य	03:32:23
शनि	मीन	रेवती	18:50:18
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	08:34:29
केतु	व सिंह	मघा	08:34:29
मुंथा	मकर	धनिष्ठा	26:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्यों को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

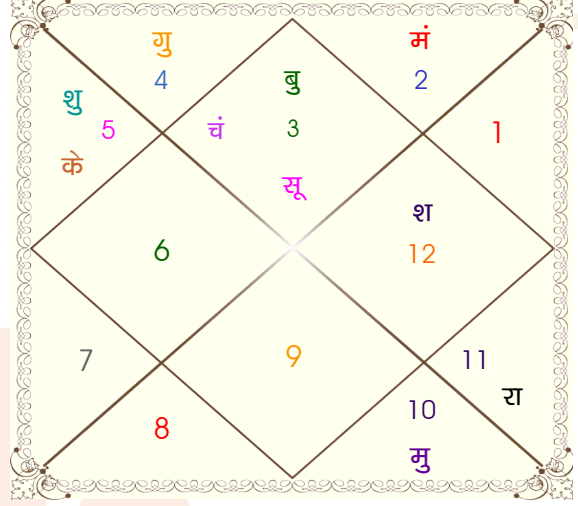
साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास

13/07/2026 04:57:31 से 13/08/2026 13:55:10 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	आर्द्रा	18:00:04
सूर्य	मिथुन	पुनर्वसु	26:23:39
चन्द्र	मिथुन	मृगशिरा	06:12:14
मंगल	वृष	रोहिणी	15:46:13
बुध	व मिथुन	पुनर्वसु	26:31:30
गुरु	कर्क	पुष्य	08:31:48
शुक्र	सिंह	मघा	09:22:54
शनि	मीन	रेवती	20:21:24
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	06:11:39
केतु	व सिंह	मघा	06:11:39
मुंथा	मकर	धनिष्ठा	29:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। आपके सांसारिक कार्यों में कई प्रकार से विघ्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

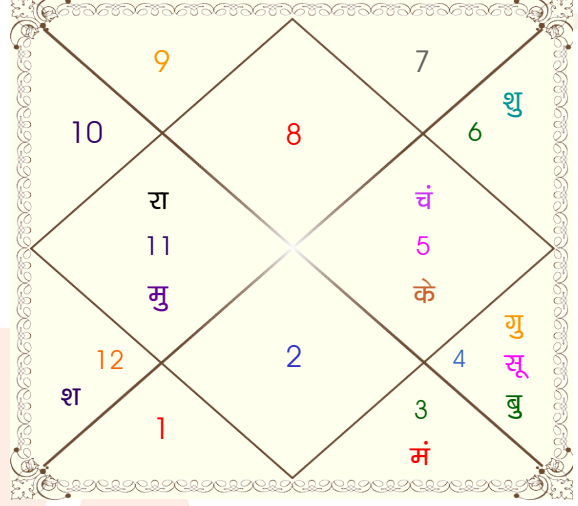
परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ मास

13/08/2026 13:55:10 से 13/09/2026 15:04:24 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	अनुराधा	10:48:53
सूर्य	कर्क	आश्लेषा	26:23:39
चन्द्र	सिंह	मघा	04:39:16
मंगल	मिथुन	आर्द्रा	07:05:21
बुध	कर्क	पुष्य	11:58:56
गुरु	कर्क	पुष्य	15:27:17
शुक्र	कन्या	हस्त	12:15:41
शनि	व मीन	रेवती	20:15:31
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:17
केतु	व सिंह	मघा	05:33:17
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	01:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करेंगे। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबन्धी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

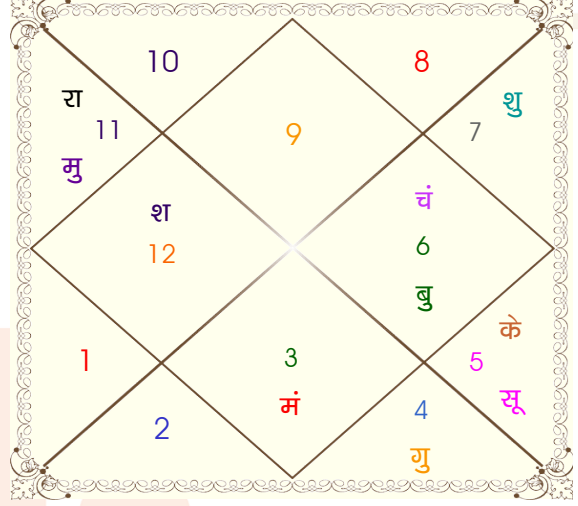
परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास

13/09/2026 15:04:24 से 14/10/2026 04:33:29 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	धनु	पूर्वाषाढा	24:35:37
सूर्य	सिंह	पूर्वाल्गुनी	26:23:39
चन्द्र	कन्या	चित्रा	24:23:53
मंगल	मिथुन	पुनर्वसु	26:54:33
बुध	कन्या	हस्त	10:17:47
गुरु	कर्क	आश्लेषा	22:00:47
शुक्र	तुला	स्वाति	07:41:14
शनि	व मीन	रेवती	18:39:51
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	05:29:10
केतु	व सिंह	मघा	05:29:10
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	04:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

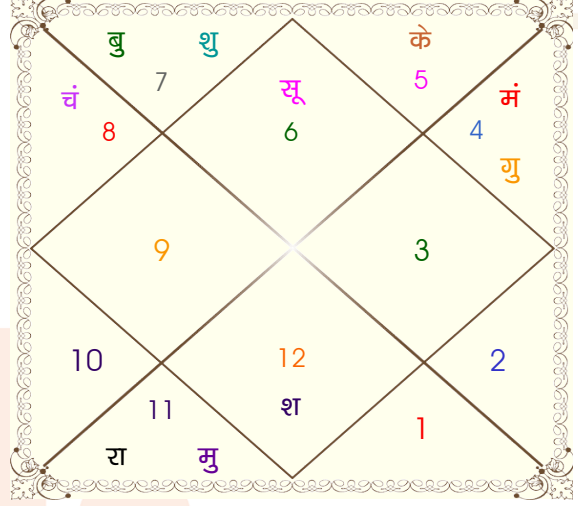
साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

14/10/2026 04:33:29 से 13/11/2026 05:46:16 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	उ०फाल्गुनी	01:53:45
सूर्य	कन्या	चित्रा	26:23:39
चन्द्र	वृश्चिक	अनुराधा	04:47:05
मंगल	कर्क	पुष्य	14:49:46
बुध	तुला	विशाखा	21:19:43
गुरु	कर्क	आश्लेषा	27:33:03
शुक्र	व तुला	स्वाति	12:01:43
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	16:19:53
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	04:09:14
केतु	व सिंह	मघा	04:09:14
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	06:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते हैं। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबन्धियों से आपके संबन्धों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

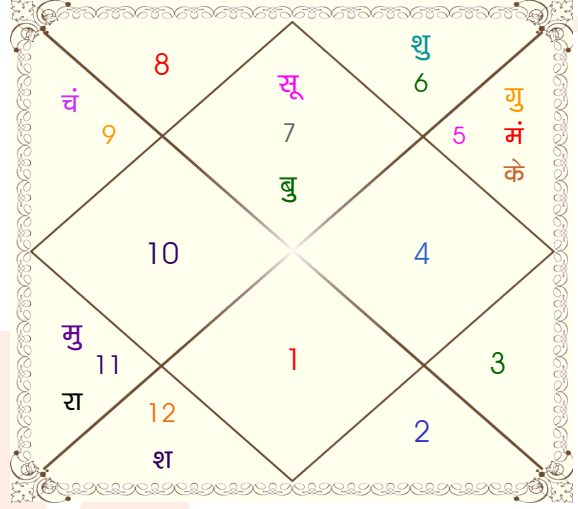
साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्तजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

13/11/2026 05:46:16 से 12/12/2026 21:19:38 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	स्वाति	13:38:32
सूर्य	तुला	विशाखा	26:23:39
चन्द्र	धनु	मूल	07:39:15
मंगल	सिंह	मघा	00:10:54
बुध	व तुला	स्वाति	10:50:19
गुरु	सिंह	मघा	01:22:18
शुक्र	व कन्या	चित्रा	28:38:58
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	14:23:03
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	01:09:39
केतु	व सिंह	मघा	01:09:39
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	09:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

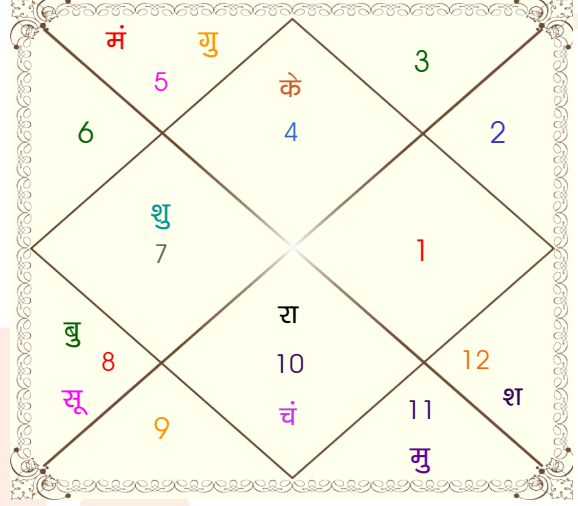
परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास

12/12/2026 21:19:38 से 11/01/2027 08:14:16 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कर्क	आश्लेषा	18:50:06
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:23:39
चन्द्र	मकर	उत्तराषाढा	05:38:07
मंगल	सिंह	मघा	11:35:18
बुध	वृश्चिक	अनुराधा	15:23:09
गुरु	सिंह	मघा	02:47:18
शुक्र	तुला	स्वाति	11:43:24
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	13:41:51
राहु	व मकर	धनिष्ठा	28:01:44
केतु	व कर्क	आश्लेषा	28:01:44
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	11:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

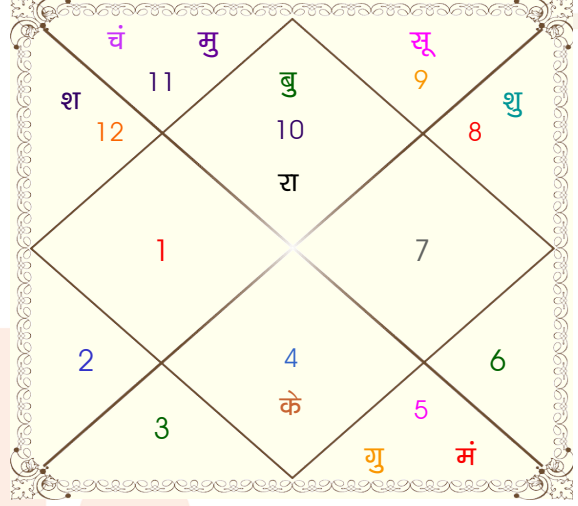
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास

11/01/2027 08:14:16 से 09/02/2027 20:37:37 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मकर	श्रवण	11:18:17
सूर्य	धनु	पूर्वाषाढा	26:23:39
चन्द्र	कुम्भ	धनिष्ठा	01:49:39
मंगल	व सिंह	पूर्वाल्गुनी	16:11:21
बुध	मकर	उत्तराषाढा	02:11:17
गुरु	व सिंह	मघा	01:26:29
शुक्र	वृश्चिक	अनुराधा	09:42:09
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	14:33:49
राहु	मकर	धनिष्ठा	26:26:42
केतु	कर्क	आश्लेषा	26:26:42
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	14:00:24

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्ठान्न के प्रति आपकी तीव्र रुचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

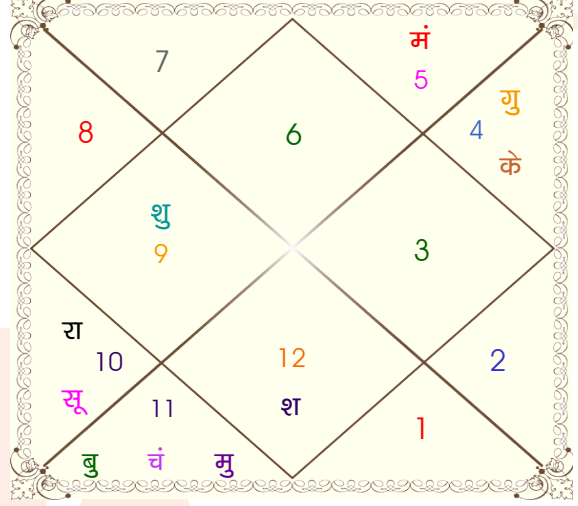
साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

द्वादश मास

09/02/2027 20:37:37 से 11/03/2027 16:16:56 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:07:45
सूर्य	मकर	धनिष्ठा	26:23:39
चन्द्र	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:39:37
मंगल	व सिंह	मघा	10:23:49
बुध	कुम्भ	शतभिषा	11:44:28
गुरु	व कर्क	आश्लेषा	27:59:07
शुक्र	धनु	मूल	12:42:21
शनि	मीन	रेवती	16:48:40
राहु	मकर	धनिष्ठा	26:17:23
केतु	कर्क	आश्लेषा	26:17:23
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	16:30:24

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।